डायमण्ड कॉमिक्स

D–649 8.00

महाबली शाका और नागरत्न का हंगामा

CHILDRENS LIBRARY

मुफ्त!
इस कॉमिक के साथ
5/-मूल्य की
पजल पैक- 5

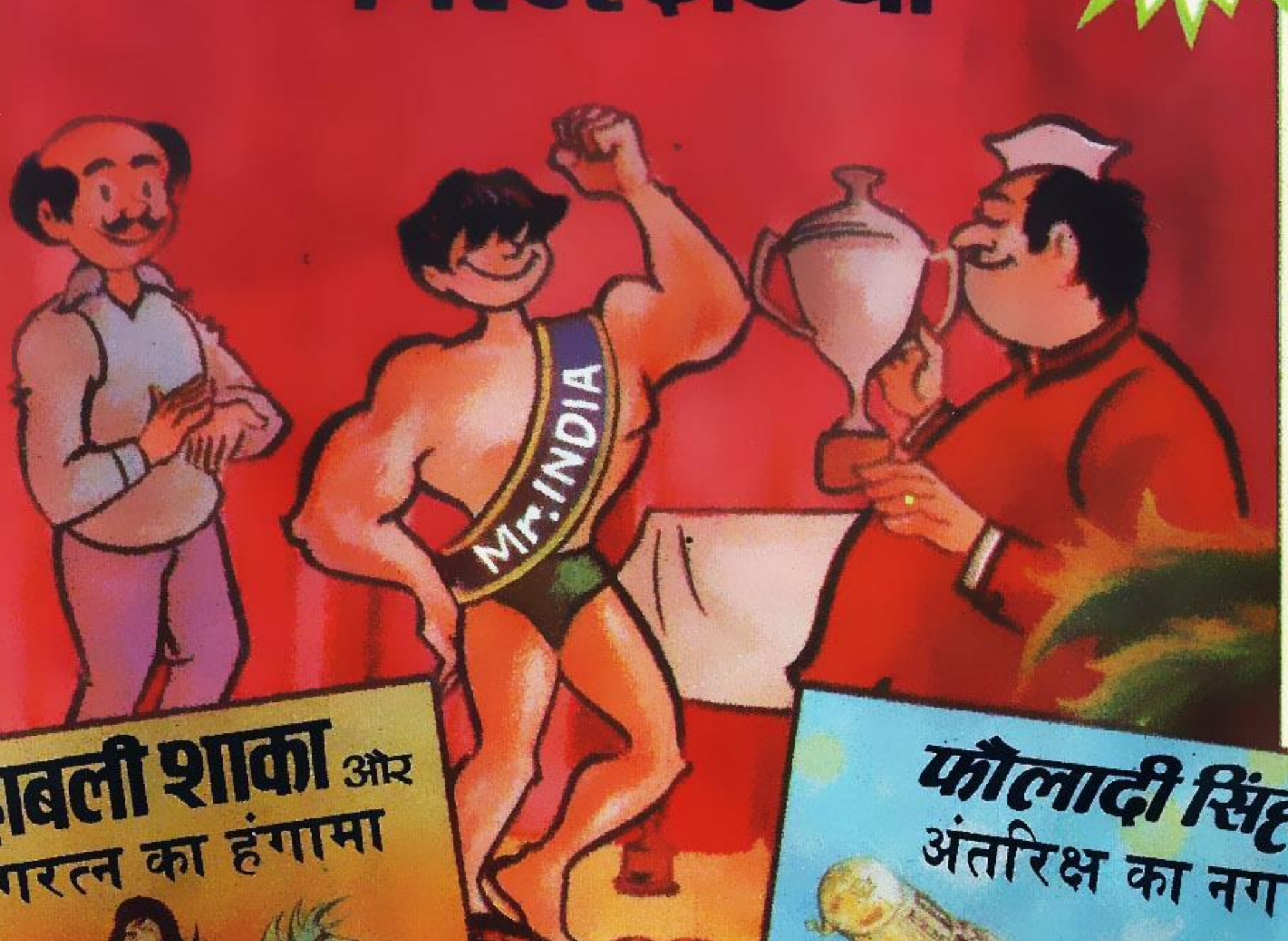

डायमण्ड कॉमिक्स
प्राण
बिल्लू
मिस्टर इंडिया
स्टिकर फ्री
Mr.INDIA
महाबली शाका और
नागरत्न का हंगामा
फौलादी सिंह और
अंतरिक्ष का नगर
पजल पैक
नं. 5 फ्री

डायमण्ड कॉमिक्स का

A.H.W.
Paltu Series

दीवाली धमाका

मुफ्त ग्रीटिंग कार्ड

प्रत्येक कामिक्स के साथ

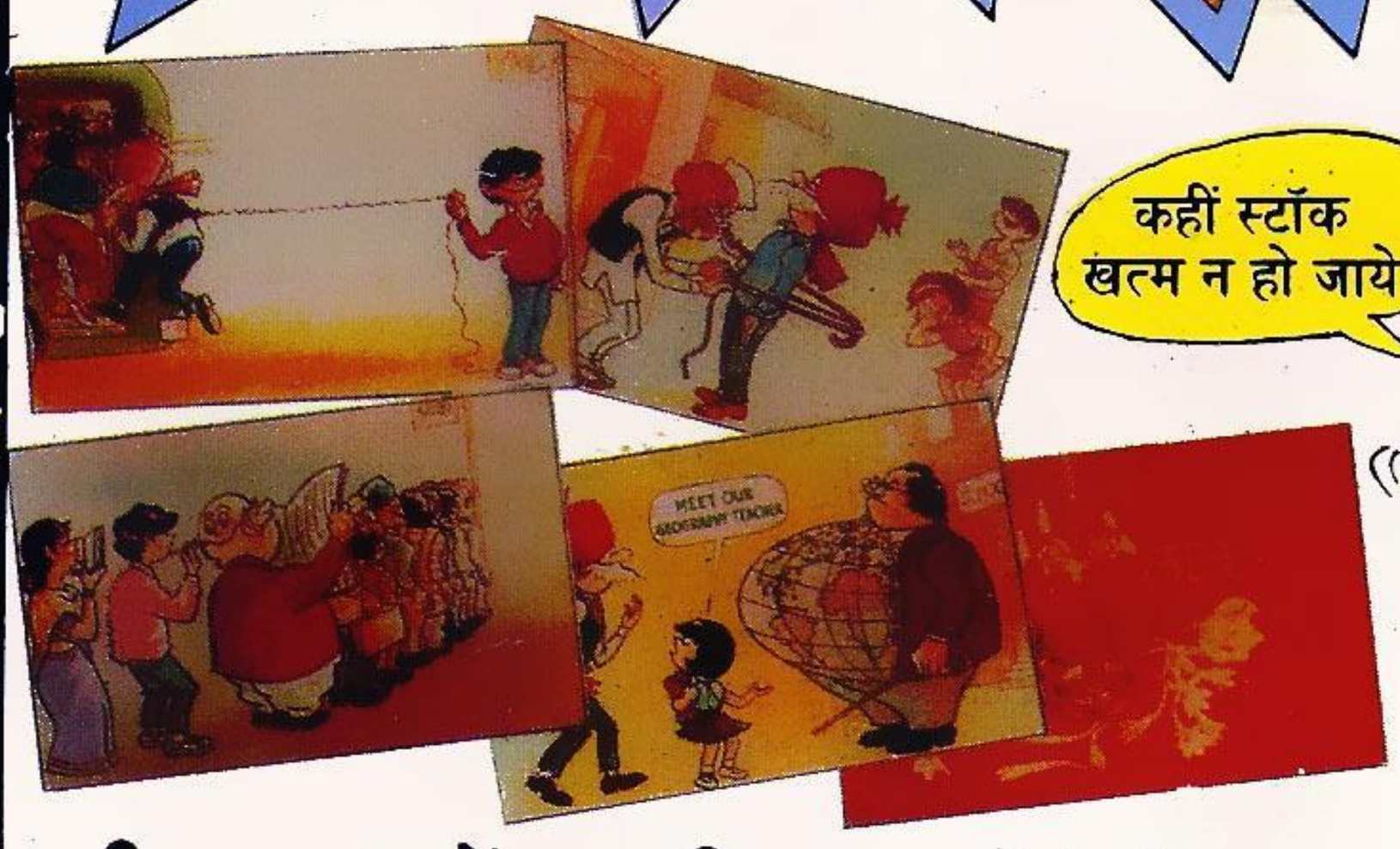

सितम्बर में प्रकाशित प्रत्येक 'डायमण्ड कामिक्स' के साथ एक ग्रीटिंग कार्ड मुफ्त अलग-अलग डिजाईन में

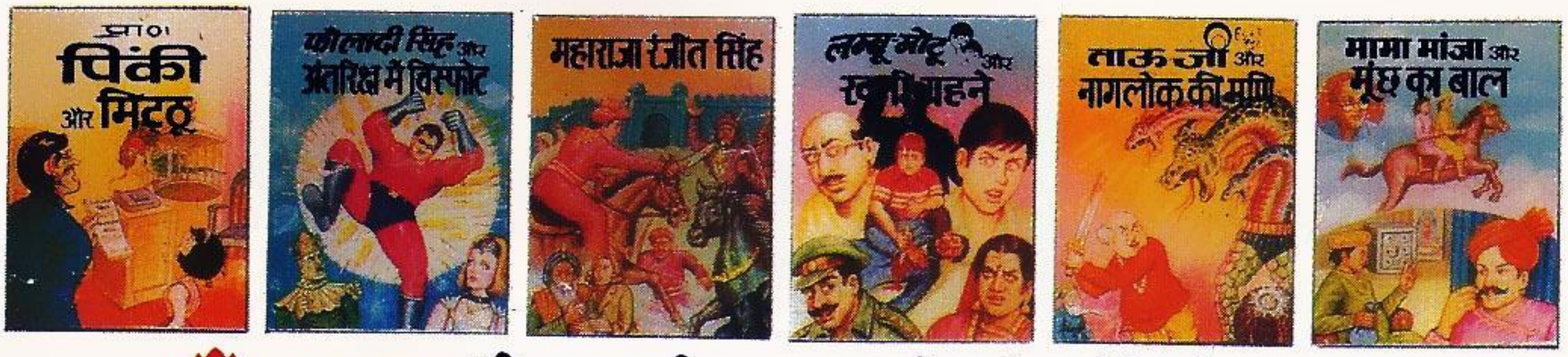

डायमण्ड कॉमिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज नई दिल्ली-110002

डायमण्ड कॉमिक्स में

कार्टूनिस्ट प्राण के प्रसिद्ध कामिक्स चरित्र

चाचा चौधरी के कामिक्स

चाचा चौधरी और चालाक गोशा
चाचा चौधरी और साबू का वतन
चाचा चौधरी और प्रो. शटलकॉक
चाचा चौधरी ज्यूपिटर पर
चाचा चौधरी और बनारसी ठग
चाचा चौधरी और चोर की तलाश
चाचा चौधरी का अजूबा
चाचा चौधरी और शेख इब्नबतूता
चाचा चौधरी और एक करोड़ का हीरा
चाचा चौधरी और हाइवे के लुटेरे
चाचा चौधरी का इंसाफ
चाचा चौधरी और रोबोट
चाचा चौधरी और हीरों की खेती
चाचा चौधरी और साबू पर हमला
चाचा चौधरी और चंपत संपत
चाचा चौधरी और राका का इंतकाम
चाचा चौधरी और हकीम जमालगोटा
चाचा चौधरी और पलीते की कमर
चाचा चौधरी और पोपटलाल
चाचा चौधरी और उड़ने वाली कार
चाचा चौधरी और हाथी का व्यापार
चाचा चौधरी बिल्लू और पिंकी
चाचा चौधरी और राका की वापसी
चाचा चौधरी का धमाका
चाचा चौधरी और साबू की शादी

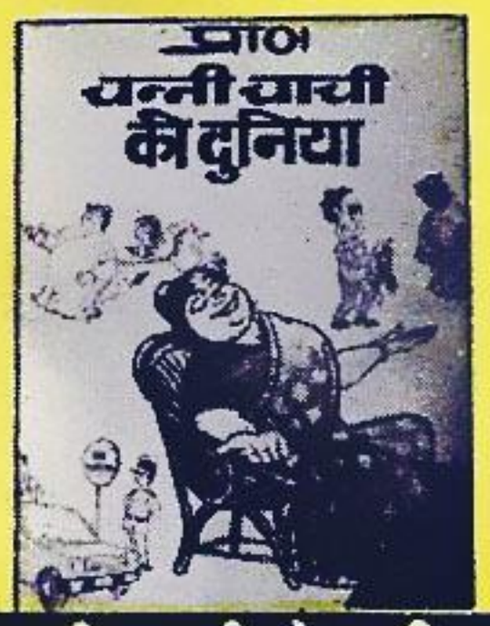

चन्नी चाची के कामिक्स

चन्नी चाची की दुनिया
चन्नी चाची और चित्रहार
चन्नी चाची का फिल्मी कुत्ता
चन्नी चाची
चन्नी चाची का फोटो
चन्नी चाची के पड़ौसी
चन्नी चाची का मोटापा

चाचा चौधरी अमेरिका में
चाचा चौधरी और साबू का बूट
चाचा चौधरी और क्रिकेट मैच
चाचा चौधरी और रहस्यमय चोर
चाचा चौधरी और राका
चाचा चौधरी और साबू काले टापू पर
चाचा चौधरी और कराटे सम्राट
चाचा चौधरी और बैंक के लुटेरे
चाचा चौधरी और बोतल में जिन्न
चाचा चौधरी और गब्बर सिंह से टक्कर
चाचा चौधरी और अकबरी खजाना
चाचा चौधरी और साबू का अपहरण
चाचा चौधरी अंतरिक्ष में
चाचा चौधरी और आदमखोर
चाचा चौधरी और साबू का हथौड़ा
चाचा चौधरी और शिकारी लक्कड़बग्गा सिंह
चाचा चौधरी और मैडम जारो
चाचा चौधरी और राका से मुठभेड़
चाचा चौधरी और गुलामों की बिक्री
चाचा चौधरी और युधिष्ठिर का मुकुट
चाचा चौधरी और राका का तूफान
चाचा चौधरी और अरमान अली फरमान अली
चाचा चौधरी और सड़क का भूत
चाचा चौधरी–राका का हमला

बिल्लू के कामिक्स

बिल्लू–मि. इंडिया
बिल्लू का केक
बिल्लू और बजरंगी पहलवान
बिल्लू फाइव स्टार होटल में
बिल्लू और रावण के सिर
बिल्लू और फिल्म शो
बिल्लू का दोस्त
बिल्लू होस्टल में
बिल्लू का होमवर्क
बिल्लू पिकनिक पर
बिल्लू की सोफ्टी
बिल्लू का हंगामा
बिल्लू-1
बिल्लू-2
बिल्लू-3
बिल्लू और हाथी की सैर
बिल्लू और करोड़ रुपये

दाबू के कामिक्स

दाबू और खजाने के लुटेरे
दाबू और उड़ने वाला गुब्बारा
दाबू और जकारियस सम्राट
दाबू और जांगो
दाबू और नरभक्षी पेड़
दाबू समुद्र में
दाबू और शीरी
दाबू और खतरनाक कैपसूल
दाबू और विशाल बन्दर
दाबू और
अंतरिक्ष यात्रियों का अपहरण

पिंकी के कामिक्स

पिंकी और स्कूल की घंटी
पिंकी की गुड़िया
पिंकी के जूते
पिंकी और रुस्तम
पिंकी और विश्व रिकार्ड
पिंकी का जन्मदिन
पिंकी और चचा सुलेमानी
पिंकी और कुंदनलाल पगड़ीवाला
पिंकी के मम्मी पापा
पिंकी और जोकर
पिंकी और चैरिटी का टिकट
पिंकी की पूसी
पिंकी और दादा जी का अखबार
पिंकी का पिल्ला
पिंकी और नानी की कहानी
पिंकी और हातिमताई
पिंकी और रंगीन कैमरा
पिंकी और साबुन के बुलबुले
पिंकी और मल्लिका का खिताब
पिंकी और मियां चिल्गोजा
पिंकी और झपट जी की पतंग
पिंकी और बंगाली रसगुल्ले
पिंकी और मुफ्त के बेर
पिंकी और छूमन्तर
पिंकी और टू-इन-वन

रमन के कामिक्स

रमन और चमत्कारी तेल
रमन और लार्ड कर्जन का टाईप राईटर
रमन और चमन भाई
रमन और भगतजी
रमन की छतरी
रमन और कुम्भकरण की नींद
रमन और दस का नोट
रमन की कार
रमन की पैंट
रमन का ताऊ
रमन हिल · शन पर
रमन और चौका छक्का
रमन और खलीफा की दाढ़ी
रमन की टेलीविजन
रमन–हम एक हैं
रमन सर्कस में
रमन और दस लाख की लाटरी
रमन का कूलर
रमन और पॉप म्यूजिक
रमन और रहस्यमय खजाना
रमन और मसाला डोसा
रमन और रोलर्स स्केट
रमन और खलीफा का कुर्ता
रमन और खलीफा की शादी

डायमण्ड कामिक्स प्रा. लि. 2715, दरियागंज नई दिल्ली- 110002

महाबली शाका और नागरत्न का इंतकाम

CHILDREN'S LIBRARY

सम्पादक : गुलशन राय   चित्रकार: सुरेन्द्र सुमन   कथा : आशु

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर माह के सेट में
प्रत्येक कॉमिक के साथ दीपावली व नव-वर्ष का ग्रीटिंग कार्ड लेना न भूलें।

12/9/92

www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

डायमंड कॉमिक्स में सितम्बर माह के सैट में पढ़िये
फौलादी सिंह का नया हंगामा "अंतरिक्ष में विस्फोट"
WWW.RKOSCANS.CO.NR

तुमने बिल्कुल ठीक कहा सूर्यसेन ! पृथ्वीवासी किसी भी प्रकार हमसे अधिक शक्ति सम्पन्न नही हैं। इसलिए हम उनसे यह मनोरम घाटी मागेंगे नहीं- बल्कि हमें यहां मौजूद पाकर जो हमें यहां से हटाने आएगा उसे हम समाप्त कर देंगे.. इस पृथ्वी पर हम याचक बन कर नही, बल्कि स्वामी बन कर रहेंगे।

लेकिन मंत्री कृपालसिंह के मन में कुछ हिचकिचाहट थी।

दूसरी दुनिया में ऐसी आशंका मन में प्रकट होना स्वाभाविक ही है, कृपालसिंह.

क्षमा करें राजकुमार जी... मुझे इसमें कुछ अनिष्ठ की आशंका है.

और फिर ... यह बात क्यों भूलते हैं मंत्री जी, कि किसी भी दूसरे देश की जमीन पर अधिकार करना सहज नहीं होता।

... उसमें कुछ न कुछ अनिष्ठ तो होता ही है। अतः दूसरे लोक की इस जमीन पर अधिकार करने के लिए हमें हर प्रकार से खतरे और अनिष्ठ का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा.

हम तुम्हारी बात से सहमत हैं सेनापति सूर्यसेन कि हमें यह समझ कर इस जमीन पर उतरना है कि हम यहां इस जमीन पर अधिकार करने के लिए आये हैं- और इस कार्य में जो भी बाधा हमारे सामने आयेगी हमें उसका सामना करना होगा- अब इस जमीन पर हमें उतर जाना चाहिए।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

और फिर वह किसी अन्जान रहस्यमय लोक के प्राणी सुनहरी घाटी के धरातल पर उतरने लगे–

यह घाटी सचमुच इतनी सुन्दर है कि इस पर अधिकार करने के लिए हम कोई भी बड़े से बड़ा युद्ध लड़ने को तैयार हैं.

इस मनोरम घाटी का केन्द्र स्थल यही है। अतः हम अपने भव्य महल का निर्माण यहीं करेंगे- और इस घाटी का नाम होगा, माया लोक !

और महल का निर्माण हमें सुरक्षा का विशेष विचार रखते हुए करना है। अतः हमें आप तीनों के सहयोग की आवश्यकता है.

हम अपने सामर्थ्य व योग्यता- नुसार महल के निर्माण में आपको अपना पूर्ण सहयोग देंगे।

और फिर ... राजकुमार ने हवा में हाथ घुमाया–

... तो पलक झपकते ही ... वहां लगभग दो वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल में लगभग सौ फीट ऊंची एक अभेद् चारदीवारी बन गई- जिसमें चारों दिशाओं में चार फाटक थे।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

फिर सेनापति ने हवा में जादुई इशारा किया तो उस विस्तृत व अभेद चार-दीवारी के चारों ओर लबालब भरी गहरी खाई बन गई. जिसमें विशालकाय घड़ियाल भी तैरते नजर आ रहे थे.

और फिर राजकुमार ने अपनी मायावी शक्ति से अपनी सुख-सुविधाओं के अनुरूप उस अभेद परकोटे (चार दीवारी) के भीतर एक विशाल भव्य महल का निर्माण किया तो उसके दोनों बुद्धिमान मंत्रियों तथा सेनापति सूर्यसेन ने ऐसे सुरक्षा प्रबन्धों की व्यवस्था की, कि अगर हवा में उड़ कर कोई तिनका भी महल की सीमा में दाखिल होता तो वह तुरन्तु वहां के उन रक्षकों की निगाह में आ जाता जो उन सबने अपनी मायावी शक्ति से किले की सुरक्षा के लिए प्रकट कर दिये थे.

ऐसा अभेद किला और इसके परकोटों में बने महल पृथ्वी पर अन्य कहीं नहीं हैं!

और इस किले पर अगर पृथ्वी की सम्पूर्ण शक्ति भी यदि आक्रमण करेगी तो उसे भी पराजित होना पड़ेगा. क्योंकि हमारे रक्षक पृथ्वी के उन समस्त अत्याधुनिक बारूदी व आणविक अस्त्र-शस्त्रों के हमलों का मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं जिनका आविष्कार पृथ्वीवासी कर चुके हैं.

और आश्चर्य की बात यह थी कि वह विशाल अभेद किला और उस किले में बने कई भव्य महल कुछ ही मिनटों में निर्मित हो गए थे- बल्कि यूं कहना उचित होगा कि वह सब कुछ उन चारों प्राणियों ने अपनी मायावी शक्ति से प्रकट कर दिए थे.

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर सेट में पढ़िये
कार्टूनिस्ट प्राण का "पिंकी और मिट्ठू"
WWW.RKOSCANS.CO.NR

अब... आप लोग भी अपने महलों में चलकर विश्राम कीजिए... उसके पश्चात अगली मंत्रणा के लिए आप तीनों मेरे महल में पधारिएगा... तब हम अपनी उस प्रमुख समस्या पर विचार करेंगे... जिसके समाधान की खोज में हम अपने माया लोक से इस पृथ्वी लोक में आये हैं.

और राजकुमार की आज्ञानुसार वह सब अपने-अपने महलों में चले गए।

और इस अद्‌भुत व अभेद किले के निर्माण के कुछ ही घण्टों बाद जब सुबह का उजाला सर्वत्र फैला... तो महाबली शाका सुनहरी घाटी में पहुंच चुका था। और अपनी आंखों से आश्चर्य व अविश्वास के भाव लिए उस किले को देख रहा था।

निश्चय ही मैं कोई स्वप्न देख रहा हूं... क्योंकि कुछ घण्टों पहले जब मैं नाग गुफा से चला था तब इस सुनहरी घाटी में यह भव्य किला नहीं था!

लेकिन यह, क्योंकि स्वप्न नहीं वास्तविकता है- और कोसिमा प्रदेश में यह अवैध निर्माण है. इसलिए यह निर्माण, जो कि निश्चय ही मायावी शक्तियों से किया गया है- मुझे इसके निर्माणकर्त्ताओं से...

...इस सम्बन्ध में बात करनी होगी.

तभी नाग ने एक भीषण फुंकार छोड़ी-

फुंफ!

ओह! तो यह निर्माण माया लोक नाम की एक अज्ञात दुनिया के प्राणियों ने अपनी मायावी शक्ति से किया है.

WWW.RKOSCANS.CO.NR

लेकिन वह पृथ्वी पर क्यों आये हैं, और इस किले का निर्माण उन्होंने क्यों किया है ?

तुम कहते हो कि मुझे इस किले के निर्माणकर्त्ताओं से मिलकर यह सब बातें स्वयं मालूम करनी चाहिए।

और फिर... महाबली शाका ने चेतक को किले के फाटक की ओर चलने का इशारा किया-

नाग ने बताया है इस महल में माया लोक का एक राजकुमार अपने तीन सहयोगियों के साथ मौजूद है. लेकिन नाग यह बताने में असमर्थ है कि वह मेरे साथ मैत्री पूर्ण रवैया अपनाएंगे या शत्रुता का.

यह पृथ्वीवासी यूं बेधड़क कैसे चला आ रहा है ?

ठहरो ! कौन हो तुम ?

जाओ... अपने स्वामी से कहो- उनसे वह मिलने आया है, जिसके इलाके में उन्होंने यह अवैध निर्माण किया है.

तुम यहीं ठहरो ! हम स्वामी के पास तुम्हारा संदेश पहुंचा देते हैं.

इस पृथ्वीवासी ने जो कहा है, वह स्वामी को बता आओ !

WWW.RKOSCANS.CO.NR

इस दौरान उस किले में बने सबसे बड़े भव्य महल में बैठा वह कथित मायालोक का राजकुमार भी महाबली शाका को देखव रहा था।

जंगली जैसे दिखने वाले इस व्यक्ति के बारे में मेरी मायावी शक्ति बता रही है कि यह मनुष्य पृथ्वी के दूसरे समस्त मनुष्यों से भिन्न है।

तभी द्वारपाल ने अपने स्वामी का अभिवादन किया-लेकिन उसके कुछ बोलने से पहले राजकुमार ने आदेश दिया-

उस पृथ्वीवासी को सम्मान सहित मंत्रणा कक्ष में पहुंचा दिया जाये.

जो आज्ञा स्वामी!

द्वारपाल के जाते ही उस दीवार पर बने एक सुन्दर फ्रेम में... राजकुमार के दोनों मांत्रियों व सेनापति की आकृतियां प्रकट हो गई-

अच्छा... तो तुम लोगों ने भी पृथ्वी के इन वीहड़ों के स्वामी को देखव लिया?

जी हां... राजकुमार जी.

और मुझे तो यह भी आभास हुआ है राजकुमार जी, कि उस पृथ्वीवासी के गले में जो नाग लिपटा हुआ है वह कुछ असाधारण एवं जबरदस्त रहस्यमय शक्तियों का स्वामी है।

लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि हमारी मायावी शक्ति हमें यह आभास दिला रही है कि यह मनुष्य... कुछ अज्ञात रहस्यमय शक्तियों का स्वामी है.

आपकी इस बात से मैं भी सहमत हूं.

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर माह के सैट में

प्रत्येक कॉमिक के साथ दीपावली व नव-वर्ष का ग्रीटिंग कार्ड लेना न भूलें।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

आप तीनों भी मंत्रणा कक्ष में पहुंच जाइए... तब हम सब मिल कर उस पृथ्वीवासी तथा उसके नाग के अज्ञात रहस्य को समझने का यत्न करेंगे.

जो आज्ञा!

अगले ही क्षण वह तीनों दीवार पर बने उस सुन्दर फ्रेम में से गायब हो गए. और किले के द्वार पर बड़ा महाबली शाका प्रकट हो गया।

यह चाहे जो भी है... मैं इससे झुक कर बात नहीं करूंगा... अगर इसने इस जमीन के बारे में झगड़ा करने की कोशिश की तो मैं इसे इसी मायावी महल में कैद कर लूंगा!

इधर... किले के द्वार पर...

आपका महल में स्वागत है श्रीमान- कृपया हमारे साथ आइए.

और फिर महल के भव्य स्वागत कक्ष में-

पधारिये श्रीमान... हमारे स्वामी बस आते ही होंगे.

चेतक... तुम यहीं ठहरो... मैं शीघ्र ही लौटूंगा.

WWW.RKOSCANS.CO.NR

मायालोक के वह अज्ञात मनुष्य अपनी मायावी शक्ति से प्रकट हो रहे हैं।

मैं मायालोक का राजकुमार अवेश कुमार हूं!

सबसे पहले मैं आपका परिचय जानना चाहता हूं।

और ये तीनों मेरे मित्र और सलाहकार हैं!

मुझे आप शाका कह कर सम्बोधित कर सकते हैं।

क्या इस प्रदेश के राजा हो?

जी नहीं... मैं राजा नहीं हूं. मैं तो इस प्रदेश का एक सेवक हूं!

बीहड़ों के समस्त प्राणी मेरे मित्र हैं- हम सब साथ-साथ इन बीहड़ों में रहते हैं. अतः इन बीहड़ों को अपना घर समझते हैं- और यह हम सहन नहीं कर सकते कि हमारी इच्छा के बिना कोई अन्य स्थाई रूप से रहने के इरादे से यहां डेरा डाले...

बाहरी दुनिया के लोग अपने क्रियाकलापों से इस प्रदेश की शांति भंग कर देते हैं... अतः मैं चाहता हूं आप अपने बारे में सविस्तार सब कुछ बताएं ताकि मैं इस बारे में कुछ निर्णय ले सकूं कि आपको यहां स्थाई या अस्थाई रूप से रहने दिया जाए या नहीं?

डायमंड कॉमिक्स में सितम्बर माह के सैट में पढ़िये
फौलादी सिंह का नया हंगामा "अंतरिक्ष में विस्फोट"

CHILDRENS LIBRARY

WWW.RKOSCANS.CO.NR

WWW.RKOSCANS.CO.NR

नागरत्न का अर्थ शायद तुम समझते नहीं हो- इसलिए मैं समझाता हूं तुम्हें... सुनो... जो मनुष्य कुछ विशिष्ट योग सिद्धियां प्राप्त करके अपने आपको अमर कर लेता है वह अपनी इच्छा और भगवान शिव के आशीर्वाद से नाग योनि धारण करके नागरत्न बन जाता है। और वह अपनी इच्छा से किसी भी मनुष्य का चयन कर लेता है फिर हमेशा उसके और उसके वंशजों के साथ रहता है.

हां यह बात सत्य है. यह नाग कई हजार वर्ष पूर्व मेरे एक पूर्वज का मित्र बन कर उसके साथ रहने लगा था और उसके बाद मेरे उस पूर्वज के उत्तराधिकारी के साथ रहने लगा. और इसी क्रमानुसार यह अब मेरे साथ है. और मैं जानता हूं संसार की कोई शक्ति इस नाग को समाप्त नहीं कर सकती. यह नाग मेरा परम प्रिय मित्र और रक्षक है।

लेकिन यह नाग माया लोक के मायावी शक्तियों के स्वामी अर्थात हम लोगों को कोई हानि नहीं पहुंचा सकता-राजकुमार जी. इसलिए हमें इनसे भयभीत होने की आवश्यकता नहीं- हम यहीं इसी प्रदेश में रहेंगे... और माया-लोक से हमें जिस कार्य के लिए भेजा गया है वह कार्य सम्पन्न करेंगे.

सुना... तुमने... चाहे तुम कोई भी हो... और भले ही तुम्हारे साथ यह नागरत्न है... पर अब हम यहीं, इसी प्रदेश में रहेंगे!

इस बारे में कोई भी निर्णय मैं तब लूंगा जब आप लोग अपने बारे में सविस्तार सब कुछ बता देंगे.

तो सुनो... हम पृथ्वी से करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर से आये हैं. अपनी दुनिया को हम माया-लोक कहते हैं. और मायावी शक्तियां हमें बिना किसी...

... प्रयत्न के अपनी दुनिया की सूर्य किरणों से उसी प्रकार प्राप्त होती रहती हैं, जिस प्रकार तुम पृथ्वी वासियों को अपने सूर्य से शारीरिक ऊर्जा प्राप्त होती है.

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर सैट में पढ़िये
कार्टूनिस्ट प्राण का "पिंकी और मिट्टू"
WWW.RKOSCANS.CO.NR

लेकिन मायालोक के सूर्य की उसी शक्ति के कारण हमारे माया-लोक का धरातल सिकुड़ने लगा है और आगामीएक हजार वर्षों में हमारे मायालोक का धरातल इतना सिकुड़ जाएगा कि...

...हमारे रहने के लिए वह धरातल पर्याप्त नहीं रहेगा.

माया लोक के विद्वानों ने इस समस्या का विस्तृत अध्ययन किया और निर्णय लिया कि यदि माया लोक की जनसंख्या बढ़नी बन्द हो जाये तो मायालोक का धरातल भी सिकुड़ना बंद हो जायेगा-

महाराज... यह आवश्यक है कि हम शीघ्र ही किसी ऐसी दुनिया की खोज कर लें जिसका वायुमण्डल हमारे मायालोक के वायुमण्डल के अनुरूप हो.

और फिर मायालोक के किसी भी परिवार में जब कोई नया शिशु जन्म ले तो उसी समय उस परिवार का एक युवक दूसरी दुनिया में पहुंच जाये- इस प्रकार मायालोक की जनसंख्या बढ़नी बंद हो जायेगी.

लेकिन इस कार्य में विलम्ब नहीं होना चाहिए महाराज. शीघ्र ही यह कार्य किसी के सुपुर्द करें कि वह मायालोक के वायुमण्डल जैसे ही किसी लोक की खोज करे!

और फिर लगातार चालीस वर्षों तक हम ऐसी दुनिया की खोज करते रहे जहां का वायुमण्डल मायालोक के वायुमण्डल के अनुरूप हो.

मैं यह कार्य राजकुमार श्रवेश कुमार के सुपुर्द करता हूं मायालोक के महाविद्वान तथा समस्त मायावी शक्तियों के स्वामी मंत्री कृपासिंह, मंत्री उदयवीर, और सेनापति सूर्यसेन भी राजकुमार के साथ जाएंगे!

जो आज्ञा महाराज!

WWW.RKOSCANS.CO.NR

तब हम पृथ्वी पर पहुंचे...

राजकुमार जी- इस ग्रह का वायुमण्डल पूर्णतया मायालोक के अनुकूल है.

लेकिन इस ग्रह पर तो मनुष्य आबाद हैं- जो अपने इस ग्रह को पृथ्वी कहते हैं.

राजकुमार जी... आरंभ में हम यहां के किसी निर्जन भाग पर कब्जा करेंगे... फिर धीरे- धीरे अपने आदमियों को यहां बुलाते रहेंगे! इन पृथ्वीवासियों को हम योजना-बद्ध तरीके से धीरे- धीरे खत्म कर देंगे और फिर पूरी पृथ्वी पर कब्जा कर इसे दूसरा मायालोक बना देंगे!

तो समझे पृथ्वी-वासी... तुम्हारी दुनिया में हम क्यों आये हैं ?

यह सब बातें सुनते ही नाग ने एक भीषण फुंकार छोड़ी... और महाबली शाका की आंखों में खून उतर आया-

भलाई इसी में है कि तुम पृथ्वी से लौट जाओ- वरना तुम्हारे यह सारे मनसूबे तुम्हारे प्राणों के साथ ही तुम्हारे मस्तिष्क से बाहर निकल जायेंगे।

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर माह के सैट में
प्रत्येक कॉमिक के साथ दीपावली व नव-वर्ष का ग्रीटिंग कार्ड लेना न भूलें।
WWW.RKOSCANS.CO.NR

डायमण्ड कॉमिक्स

नटखट चुलबुली पिंकी, उसके दादाजी और पड़ोसी झपटजी का अपना अनूठा संसार है।

आपको गुदगुदा देने वाली पिंकी का नया हंगामा

पिंकी और मिट्ठू

8/-

सितम्बर माह के अन्य कामिक्स

महाराजा रंजीत सिंह	6.00
फौलादी सिंह और अंतरिक्ष में विस्फोट (पोस्टर फ्री)	8.00
लम्बू मोटू और खूनी गहने	6.00
मामा भांजा और मूंछ का बाल	6.00
ताऊजी और नागलोक की मणि	6.00
पलटू और सबसे बड़ा मूर्ख	6.00
मैण्ड्रेक-8 (डाइजेस्ट)	15.00
राजन इकबाल-8 (डाइजेस्ट)	15.00

NEW DIAMOND COMICS (SEP. 92)

Pran's—**Pinki & Mithu** (Sticker Free)	8.00
Maharaja Ranjit Singh	6.00
Fauladi Singh & The Explosion in The Space (Poster Free)	8.00
Lambu Motu & The Bloody Ornaments	6.00
Tauji & The Jem From Naglok	6.00
Mandrake-8 (Digest)	15.00

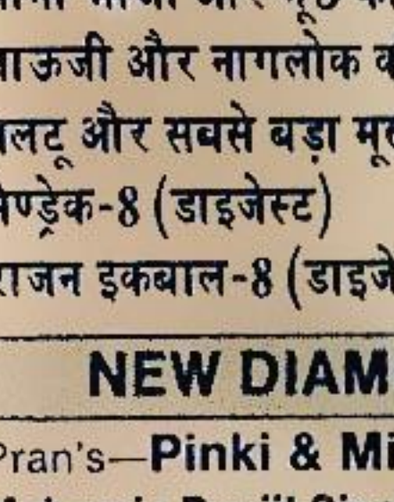

DIAMOND HOROSCOPE 1993

12 Rashis Available in Separate Books.
Price Rs. 6.00 each

डायमण्ड कामिक्स प्रा.लि., 2715, दरियागंज, नई दिल्ली- 2

महिलाओं की अपनी पत्रिका

गृहलक्ष्मी

अंक 18
सितम्बर 92

मूल्य 12.00

इस अंक के आकर्षण

विशेष लेख :

- अविवाहित मातृत्व कितना उचित, कितना अनुचित?
- मातृत्व कहीं आपके लिए बोझ तो नहीं?
- मातृत्व, गर्भावस्था एवं शिशु पालन पर विशेष लेख
- पौष्टिक आहार—शिशु और मां के जीवन का आधार
- कुदरत का महान खिलौना मां की कोख में शिशु का होना

कथा साहित्य :

- शहर की लड़की • तुम्हारी जिद • खूबसूरत निर्णय • मन का चोर

व्यंग्य :

- हल्का फुल्का • पत्नी पीड़ित संघ

परिचर्चा :

- शिक्षित होने पर पति पत्नी सम्बन्ध नाजुक क्यों?

अन्य लेख :

- क्या आप बाहर सोती हैं? • अंधाधुंध पैसे न बहाएं
- कामकाजी महिलाओं की पारिवारिक समस्याएं
- चटपटे मजेदार सदाबहार व्यंजन • नकली आभूषण और आप

मनोरंजक फिल्म पत्रिका

मूवी चित्रहार अंक 1

- श्रीदेवी : मैं अमिताभ बच्चन के साथ काम नहीं करूंगी

डायमण्ड मैगजीन्स 2715, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

Printed and Published by: NARENDER KUMAR For Diamond Comics (P) Ltd. 2715, Darya Ganj, N Delhi and Printed at: Best Photo Offset Printers Okhla N.Delhi. Editor: Gulshan Rai.

यानि कि तुम हमसे शत्रुता करोगे ?

अगर तुम तुरन्त ही पृथ्वी से नहीं लौट जाओगे तो विवश होकर मुझे बल प्रयोग करना ही पड़ेगा.

बल प्रयोग ! हा-हा-

और फिर राजकुमार ने हवा में अपने हाथ उठा कर जादुई इशारा किया-

... पलक झपकते ही महाबली शाका के पीछे मौजूद सिंहासनतुमा कुर्सी गायब हो गई - तथा लोहे की मोटी- मोटी सलाखों वाला एक पिंजरा शाका के इर्द-गिर्द प्रकट हो गया- उसके साथ ही शाका का वह रहस्यमय नाग भी लोहे के पिंजरे में कैद हो गया.

अब तुम पिंजरे की इन सलाखों पर मनचाहा बल प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र हो पृथ्वीवासी !

लेकिन तुम्हारा बल पिंजरे की इन सलाखों को तोड़ नहीं सकेगा- और तुम भूख-प्यास से तड़प-तड़प कर मर जाओगे.

WWW.RKOSCANS.CO.NR

रही बात इस नागरत्न की... तो इसे समाप्त करने के लिए हम अपने मायालोक के सूर्यमंदिर के पुजारी विश्वाजी को यहां बुला लेंगे- जो इस नाग को बिल्कुल उसी प्रकार अपने वश में कर लेंगे जैसे पृथ्वी के तांत्रिक साधारण नागों को अपनी मंत्र शक्ति से अपने वश में कर लेते हैं। और अब हम सम्पूर्ण पृथ्वी के खेतों, खलिहानों, बाग और बगीचों में ऐसे रोगाणु युक्त घातक रसायनों का छिड़काव करने जा रहे हैं... जो सभी प्रकार के अनाज, दाल, फल तथा सब्जियों आदि में इस प्रकार समा जाएंगे जैसे उनके पौष्टिक तत्व समाये हुए होते हैं- अतः जब फसलें तैयार होने के बाद खाद्य-पदार्थों के रूप में मनुष्यों का आहार बनने लगेंगी तब उनसे लोगों को जीवनोपयोगी पौष्टिक तत्व प्राप्त नहीं होंगे- बल्कि घातक रोगों के रोगाणु उनके जिस्म में पहुंच जाएंगे- और लोग घातक रोगों...

...का शिकार होकर मरने लगेंगे- और पृथ्वी के वैज्ञानिकों को यह रहस्य कभी मालूम नहीं होगा- कि पृथ्वी पर तरह-तरह की यह महामारियां क्यों फैल रही हैं- क्योंकि हम अपनी मायावी शक्ति से पृथ्वी के समस्त वैज्ञानिकों के मस्तिष्कों पर अधिकार कर लेंगे- ताकि वह यह पता न लगा सकें कि पृथ्वी पर जो महामारियां फैली हैं उनका कारण खेतों में उगने वाले खाद्य पदार्थ हैं।

और राजकुमार के वाक्य की समाप्ति के साथ ही उन चारों के जिस्म गायब होने लगे—

डायमंड कॉमिक्स में सितम्बर माह के सैट में पढ़िये
फौलादी सिंह का नया हंगामा "अंतरिक्ष में विस्फोट
WWW.RKOSCANS.CO.NR

और उनके गायब होते ही... लोहे की सलाखों में कैद नाग फुंकार उठा-

नाग कहता है, इसने इस पिंजड़े की मायावी शक्ति खत्म कर दी है... हम यहां से तो निकल सकते हैं... पर जब तक राजकुमार श्रवेश के शक्ति स्रोत राजदण्ड पर कब्जा नहीं कर लेंगे, इस मायावी महल से बाहर नहीं निकला जा सकता!

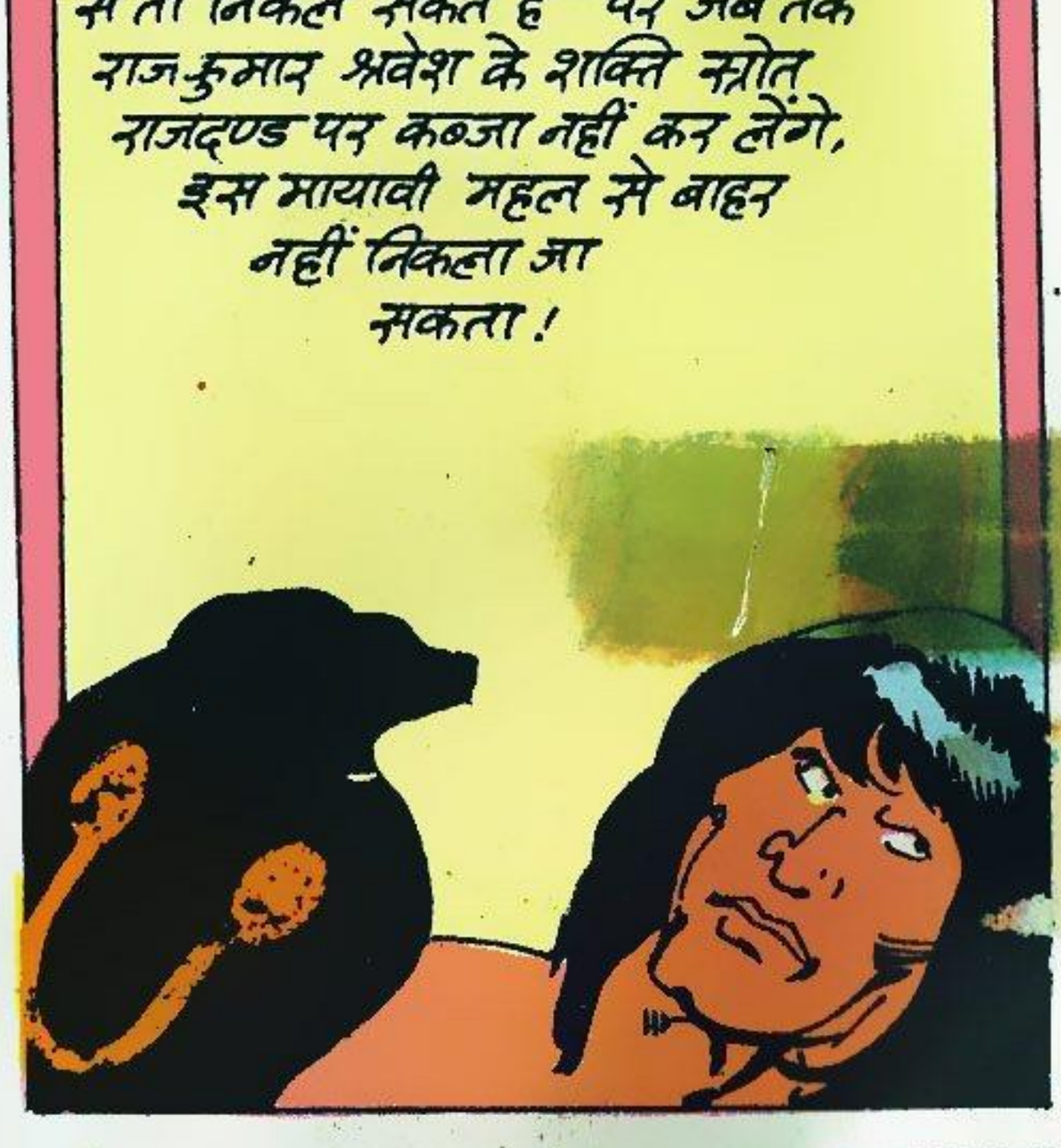

और फिर महाबली शाका ने अपने असीम बाहुबल से पिंजरे की फौलादी सलाखों को कुछ ही क्षणों में पिंजरे की चौखट से अलग कर दिया।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर सैट में पढ़िये
कार्टूनिस्ट प्राण का "पिंकी और मिट्ठू"
CHILDRENS LIBRARY
www.rkoscans.co.nr

WWW.RKOSCANS.CO.NR

कुछ देर बाद –

अनर्थ ! नागरत्न अपने स्वामी सहित हमारी मायावी कैद से मुक्त हो गया.

राजकुमार जी ! मैंने तो आरम्भ में ही आशंका प्रकट की थी कि उस क्षेत्र में कुछ न कुछ ऐसा है जो हमारे उद्देश्य में बाधक बनेगा...

कहीं ऐसा न हो कि वह नाग हमारे लिए खतरा बन जाये... और हमें अपना अभियान अधूरा छोड़ कर ही यहां से जाना पड़े !

ऐसा नहीं होगा. पृथ्वीवासी पिंजड़े से आजाद हो सकता है, पर वह हमारे मायावी महल से कभी नहीं निकल पायेगा !

तभी महल के रक्षा प्रमुख ने पुनः उनसे सम्पर्क स्थापित किया.

स्वामी.

हां... बोलो ! रक्षा प्रमुख !?

स्वामी... नागरत्न आपके कक्ष की ओर बढ़ रहा है. उसके इर्द-गिर्द एक अदृश्य सुरक्षा घेरा बना हुआ है-जिसमें हमारी स्वचालित गनों की गोलियां प्रविष्ट ही नहीं हो रहीं.

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर माह के सैट में
प्रत्येक कॉमिक के साथ दीपावली व नव-वर्ष का ग्रीटिंग कार्ड लेना न भूलें।

WWW.RKOSCANS.CO.NR

हमें तुरन्त महल में पहुंच कर अपने मायावी राजदण्ड को अपने अधिकार में करना होगा.

सूचना देते ही रक्षा प्रमुख का सिर गायब हो गया... और वह चारों चिन्तित होकर आपस में विचार विमर्श करने लगे

निश्चय ही वह हमारे राजदण्ड को प्राप्त करना चाहता है.

अगर उसने राजदण्ड प्राप्त कर लिया तो वह नाग हमारे लिए बहुत बड़ी मुसीबत बन जाएगा.

फिर पलक झपकते ही अपने मायावी महल के कक्ष में जा पहुंचा-

और अगले ही क्षण राजकुमार अपने तीनों सहयोगियों सहित वहां से गायब हो गया-

लेकिन जैसे ही उन चारों की दृष्टि मायावी राजदण्ड पर पड़ी... उनके हृदय को एक तीव्र धक्का सा लगा- यह देखकर कि... नाग वहां पहले से ही विराजमान था.

ओह!

ओह!

राजदण्ड अब उसके अधिकार में है.

WWW.RKOSCANS.CO.NR

डायमंड कॉमिक्स में सितम्बर माह के सैट में पढ़िये
फौलादी सिंह का नया हंगामा “अंतरिक्ष में विस्फोट’

मणि की चकाचौंध ने उन्हें अंधा ही नहीं बनाया हुआ था-बल्कि मणि की तीव्र चमक उनके जिस्मों में असंख्य सुइयों की भांति चुभ रही थी-जिस कारण राजकुमार विश्वाजी का आह्वान करने के लिए अपने मस्तिष्क को एकाग्र करने में असमर्थ था.

... और वह चारों समझ रहे थे नाग अभी वहीं है- जबकि वास्तव में नाग अपनी मणि को वहीं छोड़ कर राजदण्ड को लिए कक्ष से बाहर निकल रहा था.

मणि की चकाचौंध से वह चारों ही नहीं, बल्कि कक्ष के द्वार पर खड़े रक्षक भी प्रभावित थे- यही कारण था कि वह भी राजदण्ड सहित कक्ष से बाहर आते नाग को नहीं देख सके.

लेकिन मार्ग में जिन रक्षकों ने राजदण्ड लेकर जाते नाग को देखा- वह उस पर फायर भी न कर सके... क्योंकि...

फायर मत करना... गोली अगर राजदण्ड पर लग गई तो वह खण्डित हो जाएगा!

और इस प्रकार वह रहस्यमय नाग निर्विघ्न महाबली शाका के सामने पहुंच गया-

महाबली शाका का

WWW.RKOSCANS.CO.NR

वह अपने स्वामी के पास गया!

अब उसका स्वामी इस कमरे पर छाया मायावी शक्ति का अदृश्य घेरा हटा देगा.

ओह... तो तुम लौट आए मेरे प्यारे रहस्यमय मित्र!

अच्छा... तो यह है वह राजदंड, जिसमें रहस्यमय मायावी शक्तियां भरी हैं?

तुम कह रहे हो इसे हाथ में लेकर मैं जिस ओर भी कदम बढ़ाऊंगा... उस ओर यदि कोई मायावी शक्ति का अवरोध होगा तो इस राजदण्ड में से निकलने वाली अदृश्य किरणें उस अवरोध को अपने आप समाप्त कर देंगी.

और फिर महाबली शाका तो राजदण्ड को हाथ में लिए दरवाजे से बाहर निकल आया—

और नाग अपनी मणि लेने के लिए वापस उसी कक्ष की ओर बढ़ गया- जिस कक्ष में से वह राजदण्ड उठा कर तथा उसके स्थान पर अपनी मणि छोड़ कर आया था.

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर सैट में पढ़िये
कार्टूनिस्ट प्राण का "पिंकी और मिट्ठू"

WWW.RKOSCANS.CO.NR

इधर जैसे ही शाका गलियारे में आया- उसके हाथ में थमे राजदण्ड को देखते ही रक्षक सहम गए।

राजदण्ड!

यह कैदी राजदण्ड लेकर जा रहा है!

हम फायर नहीं कर सकते- क्योंकि जिसकी गोली राजदण्ड पर लग गई, वही भस्म हो जाएगा.

उधर पीछे... राजकुमार अवेश कुमार के कक्ष में नाग वापस लौटा. और...

जैसे ही उसने अपनी मणि मुंह में रखी... कक्ष में फैली मणि की वह विलक्षण चकाचौंध गायब हो गई, जो उन चारों मायावी शक्ति धारियों के जिस्म में असंख्य सुइयों की भांति चुभ रही थी।

अरे! राजदण्ड गायब हो गया!

उफ! राजदण्ड को तो पृथ्वीवासी लिए चला जा रहा है!

WWW.RKOSCANS.CO.NR

फिर अचानक ही...

अरे! नाग भी गायब हो गया.

कहां गया?

जरूर अपने उसी साथी के पास पहुंच गया.

यह बहुत बुरा हुआ... अब हमें सिर्फ अपनी ही मायावी शक्तियों के बल पर उस पृथ्वीवासी और उसके रक्षक नागरत्न का मुकाबला करना होगा.

उसे रोकना होगा- वह मायावी राजदण्ड सहित महल से बाहर निकल गया- तो हम अपने मायालोक से सम्पर्क नहीं कर पायेंगे.

दुष्ट नागरत्न ने राजदण्ड को हासिल ही इसलिए किया है राजकुमार जी कि हमारा सम्पर्क माया-लोक से कट जाये.

लेकिन वह पृथ्वीवासी... हमारे सामने आकर हमसे मुकाबला करने की बजाय हमसे दूर हमारे किले से बाहर क्यों जा रहा है?

क्योंकि वह जानता है कि उसे अब हमसे नहीं बल्कि हमें उससे टक्कर लेनी है.

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर माह के सैट में
प्रत्येक कॉमिक के साथ दीपावली व नव-वर्ष का ग्रीटिंग कार्ड लेना न भूलें।
WWW.RKOSCANS.CO.NR

अफ़सोस· अपनी मायावी शक्ति से अब हम अपने रक्षक भी प्रकट नहीं कर सकते-जो उस शक्तिशाली पृथ्वीवासी का मुकाबला कर सकें· क्योंकि उसके हाथ में राजदण्ड है·

राजकुमार के इस कथन के साथ ही वह चारों वहां से गायब हो गए·

स्थिति चाहे जो भी हो, हमें उसका मुकाबला करना होगा.

और ठीक मायावी किले से बाहर निकल चुके महाबली शाका के सामने प्रकट हुए-

मैं जानता था तुम आओगे.

राजदण्ड हमें लौटा दो... वरना अपनी मायावी शक्ति से हम तुम्हें भस्म कर देंगे-

फिर जैसे ही सेनापति ने अपना वाक्य समाप्त किया उन चारों ने महाबली शाका की ओर हाथ दा दिए· शाका के नाग ने अपना मुंह खोल दिया· जिसमें निकली तीव्र चकाचौंध से वह चारों बौखला गये-

ओह!

अरे!

WWW.RKOSCANS.CO.NR

डायमंड कॉमिक्स में सितम्बर माह के सैट में पढ़िये
फौलादी सिंह का नया हंगामा "अंतरिक्ष में विस्फोट"
www.rkoscans.co.nr

हमें सेनापति को बचाना चाहिए.

राजकुमार जी... अगर सेनापति को बचाने के चक्कर में लगे तो इधर इस जंगली को समाप्त करने का स्वर्ण अवसर हमारे हाथ से निकल जायेगा.

कृपासिंह ठीक कहते हैं... अगर नाग ने सेनापति का गला घोंट भी दिया तो भी हम अपने प्रधान पुजारी...

...विश्वाजी से आग्रह करके सेनापति को पुनः जीवित करा लेंगे लेकिन जंगली को समाप्त करने का यह अवसर हमारे हाथ से... नहीं निकलना चाहिए

ओह! नहीं!

मायावी प्रकाश गायब हो रहा है!

फौरन हमला करो!

उधर...

सेनापति ने आखिरी हिचकी ली और उसका बेजान जिस्म भूमि पर गिर पड़ा—

इधर राजकुमार के साथियों ने महाबली शाका पर हमला करने के लिए जैसे ही हाथ उठाए, शाका हवा में ऊपर उछल गया—

और बिजली बन कर उनके ऊपर टूट पड़ा—

WWW.RKOSCANS.CO.NR

डायमंड कॉमिक्स के सितम्बर माह के सैट में
प्रत्येक कॉमिक के साथ दीपावली व नव-वर्ष का ग्रीटिंग कार्ड लेना न भूलें।
www.rkoscans.co.nr

शीघ्र ही...

बस... अब आप भी विश्राम कीजिए.

हां अब बताइए नागरत्न महाराज... शहर से बुलडोजर मंगाए बिना इस किले को यहां से कैसे हटाया जाये? क्योंकि इस मायावी शक्ति द्वारा निर्मित किले का उपयोग न तो मैं खुद करना चाहता हूं और न ही किसी अन्य को इस किले में बसने दूंगा.

अच्छा... तो आप ये कह रहे हैं कि यदि मैं इस राजदण्ड को तोड़ दूं तो इसकी शक्ति से निर्मित यह किला गायब हो जाएगा.

तो ठीक है... लो तोड़ दिया यह राजदण्ड!

तड़ाक

और राजदण्ड के टूटते ही उसकी मायावी शक्ति से बना किला भी गायब होने लगा—

WWW.RKOSCANS.CO.NR

डायमंड कॉमिक्स में सितम्बर माह के सैट में पढ़िये
फौलादी सिं

लेकिन महाबली पृथ्वीवासी... तुमने और तुम्हारे संरक्षक नागरत्न से अपनी इस पराजय का प्रतिशोध लेने हम एक बार अवश्य पृथ्वी पर आएंगे क्योंकि पृथ्वी ही एक ऐसा लोक है जहां हमारे मायालोक के प्राणी जीवित रह सकते हैं।

तुम जब भी आओगे तुम्हें पराजय का ही मुंह देखना पड़ेगा- क्योंकि मेरे साथ नागरत्न की ही नहीं, सत्य की भी शक्ति है। और संघर्ष में जीत उसी की होती है, जिसके साथ सत्य की शक्ति होती है।

इसलिए मैं सदा तुम्हारी प्रतीक्षा करूंगा.

हमारे लौटने का कोई निश्चित समय तो नहीं है- हम लौटेंगे अवश्य, क्योंकि मायालोक वाले पराजय का प्रतिशोध अवश्य लेते हैं।

और अपने इस आखिरी कथन के साथ ही वह बेहोश पड़े मायालोक के राजकुमार, दोनों मंत्रियों तथा मृत सेनापति के जिस्मों सहित गायब होने लगा- उनके साथ ही टूटा हुआ राजदंड और भूमि पर पड़े बाकी मुकुट भी गायब होने लगे।

कुछ ही क्षणों में प्रधान-मंत्री सहित सब कुछ गायब हो गया।

भविष्य में किसी को पता भी नहीं चलेगा कि दूसरे लोक के आसुर प्राणियों ने पृथ्वीवासियों को समाप्त करने के लिए यहां एक भव्य किला बनाया था।

यही सोचता महाबली शाका वापिस अपनी गुफा की ओर लौट चला।

समाप्त

WWW.RKOSCANS.CO.NR

AN UP-TO-DATE DICTIONARY WITH EXTENSIVE COVERAGE OF THE PREVALENT WORDS

This Dictionary

is extremely useful for translation because it gives not only the practical derivative but the root-word and synonyms for the entry;

has transitive and intransitive forms of the verbs given separately;

has each word taken as a separate entry;

is also a compendium of all the technical terms used in Modern Sciences, Arts & Humanities, Industry, Banking, Commerce and Administration etc.;

has each shade of the meaning of a word having a variety of meanings;

is compiled with espeical emphasis on the authenticity and unambiguity.

DIAMOND'S DICTIONARIES

The Word-Ocean with Pearls of Meaning

Rs. 120/- Rs.100/- Rs. 80/-

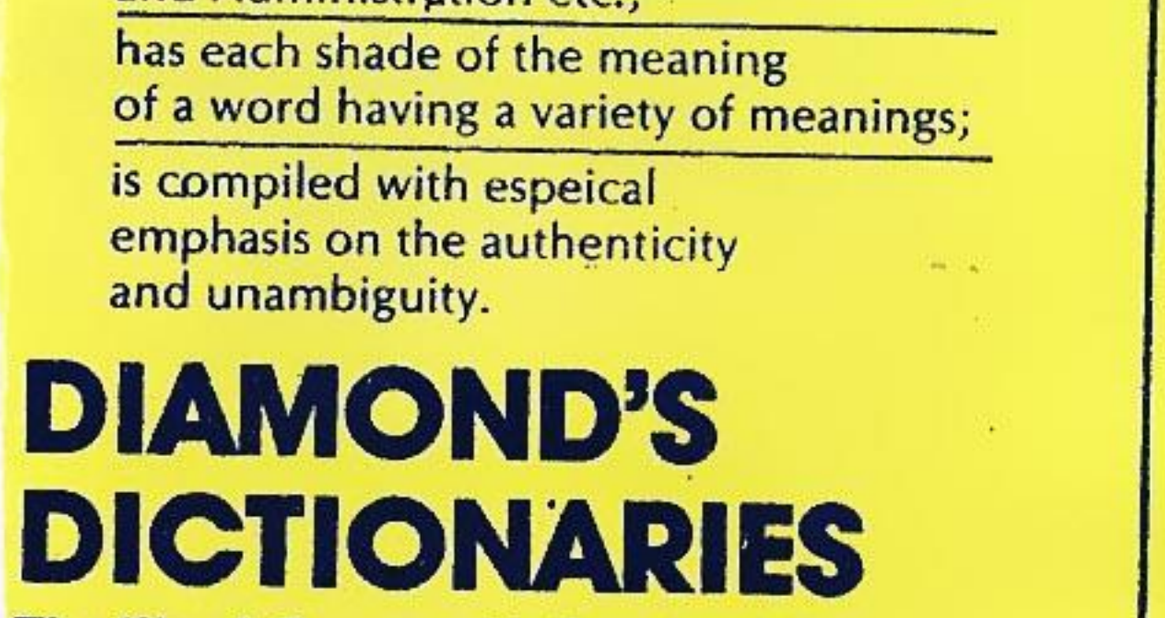

DIAMOND COMICS (P) LTD.
2715, Daryaganj, New Delhi-110 002

WISH TO RID YOUR PERSONALITY OF

Inferiority complex and the damaging feeling of being uneducated, which handicap your prospective bright future?

If so,

Then you must learn to SPEAK FLUENT ENGLISH WITHIN A FORTNIGHT, and READ

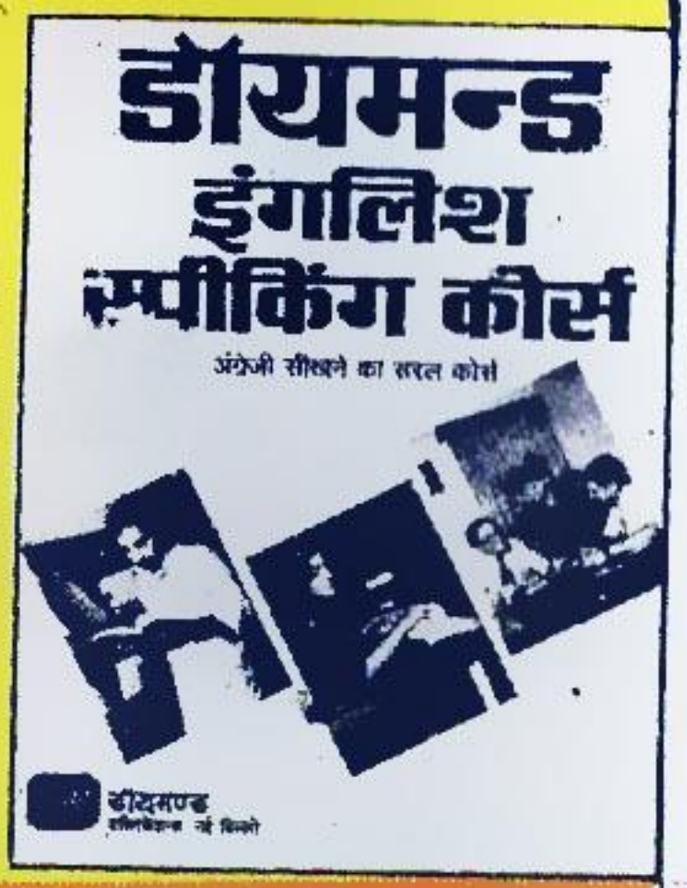

DIAMOND ENGLISH SPEAKING COURSE

Salient Features :

- Easy to comprehend lessons.
- A full Dictionary to help you enrich your vocabulary.
- Enough emphasis on correct grammatical usuage to make you also write perfect English.
- A very useful book for the authors and translators also.

Price Rs. 36/- Postage Rs. 5/-

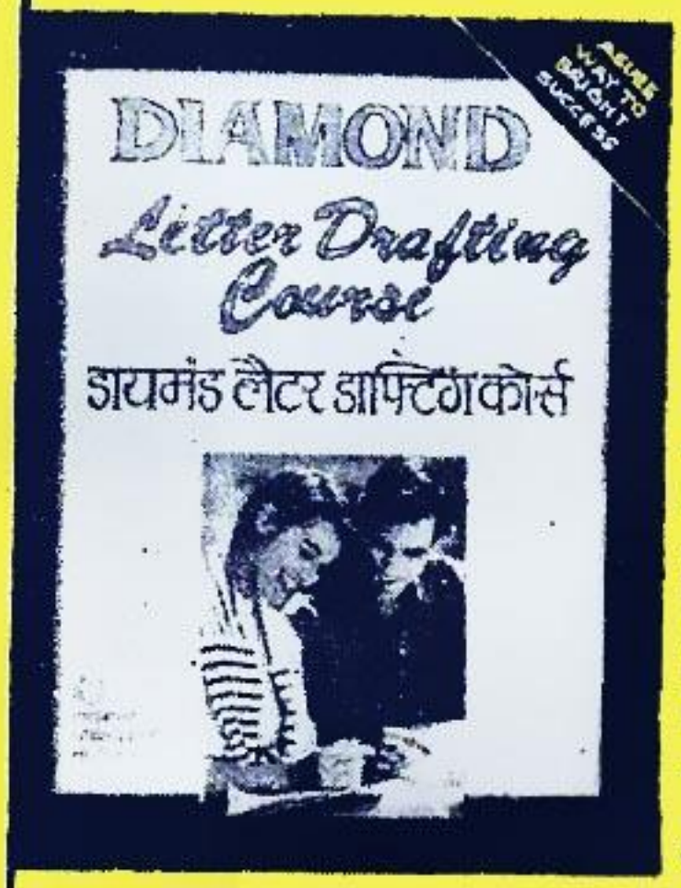

A good letter reflects your personality and make stranger your friends.

In a fast growing world you can't meet everyone personally. Hence, you ought to be deft in writing good letter conveying your feelings with the minimum words.

To help you assimilate all these qualities read

LETTER DRAFTING COURSE.

By DIAMOND POCKET BOOKS.

Price Rs. 32/- Postage Rs. 5/-

Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw